ओडिशा में कृष्णमृग (Blackbuck) की आबादी में वृद्धि

प्रिलिम्स के लिये

कृष्णमृग या काले हिरण (Blackbuck), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, आईयूसीएन (IUCN)

मेन्स के लिये

कृष्णमृग संबंधित संरक्षित क्षेत्र, संरक्षण स्थिति, उत्पन्न खतरे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में ओडिशा राज्य वन विभाग द्वारा जारी नवीनतम **पशुगणना** के आँकड़ों के अनुसार, पिछले छह वर्षों में ओडिशा में **कृष्णमृग या काले हिरण (Blackbuck) की आबादी दोगुनी** हो गई है।

//

प्रमुख बिंदु

कृष्णमृग के बारे में:

- **कृष्णमृग का वैज्ञानिक नाम 'Antilope Cervicapra' है, जिसे 'भारतीय मृग' (Indian Antelope)** के नाम से भी जाना जाता है। यह **भारत और नेपाल** में मूल रूप से निवास करने वाली मृग की एक प्रजाति है।
    - **ये राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और अन्य क्षेत्रों में (संपूर्ण प्रायद्वीपीय भारत में) व्यापक रूप से पाए जाते हैं।**
- ये घास के मैदानों में सर्वाधिक पाए जाते हैं अर्थात् इसे **घास के मैदान का प्रतीक** माना जाता है।
- इसे **चीते के बाद दुनिया का दूसरा सबसे तेज़ दौड़ने वाला जानवर** माना जाता है।
- कृष्णमृग एक **दैनंदिनी मृग (Diurnal Antelope) है अर्थात् यह मुख्य रूप से दिन के समय ज़्यादातर सक्रिय** रहता है।
- यह आंध्र प्रदेश, हरियाणा और पंजाब का **राज्य पशु** है।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:** यह **हिंदू धर्म के लिये पवित्रता का प्रतीक** है क्योंकि इसकी त्वचा और सींग को पवित्र अंग माना जाता है। बौद्ध धर्म के लिये यह **सौभाग्य (Good Luck)** का प्रतीक है।

संरक्षण स्थिति:

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची-I
- आईयूसीएन (IUCN) में स्थान : कम चिंतनीय (Least Concern)
- **CITES:** परिशिष्ट-III

खतरा:

- इनके संभावति खतरों में प्राकृतकि आवास का वखिंडन, वनों का उन्मूलन, प्राकृतकि आपदाएँ, अवैध शकिार आदशिामलि हैं।

संबंधति संरक्षति क्षेत्र:

- वेलावदर (Velavadar) कृष्णमृग अभयारण्य- गुजरात
- प्वाइंट कैलमिर (Point Calimer) वन्यजीव अभयारण्य- तमलिनाडु
- वर्ष 2017 में **उत्तर प्रदेश** राज्य सरकार ने प्रयागराज के समीप यमुना-पार क्षेत्र (Trans-Yamuna Belt) में **कृष्णमृग** संरक्षण रज़िर्व स्थापति करने की योजना को मंज़ूरी दी। यह कृष्णमृग को समर्पति पहला संरक्षण रज़िर्व होगा।

ओडशिा में कृष्णमृग:

- काले हरिण को **ओडशिा** में **कृष्णसारा मृगा (Krushnasara Mruga)** के नाम से जाना जाता है।
- काला हरिण पुरी ज़लि में **बालूखंड-कोणार्क तटीय मैदान/वन्यजीव अभयारण्य** तक ही सीमति है।
- गंजाम (Ganjam) ज़लि में **बालीपदर-भेटनोई और उसके समीपवर्ती क्षेत्रों में** ।
- नवीनतम गणना के अनुसार, वर्ष 2011 में 2,194 की मृग आबादी की तुलना में 7,358 मृग हैं।
- इनकी **आबादी में वृद्धि के प्रमुख कारणों** में आवासों में सुधार, स्थानीय लोगों और वन कर्मचारियों द्वारा दी गई सुरक्षा शामलि है।

भारत में पाए जाने वाले अन्य मृग प्रजातयिाँ:

- **बारहसगिा या स्वैम्प डयिर (Swamp Deer)** , चीतल/चत्तिीदार हरिण, सांभर हरिण, संगाई/बरो-एंटलर्ड हरिण (Brow-Antlered Deer), **हमिालयन सीरो**, भौंकने वाला हरिण (Barking Deer)/भारतीय काकड़ (Indian Muntjac), नीलगरि तिहर/नीलगरि आईबेक्स, तबि्बती मृग, हमिालयी तहर, नीलगाय (Blue Bull), चकिारा (Indian Gazelle) ।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/blackbuck-population-increased-in-odisha